

विद्यार्थियों को ऐसी तालीम दी जानी चाहिए जिससे वे संसार के महान धर्मों को आदर के साथ सीख सकें ।

-महात्मा गांधी

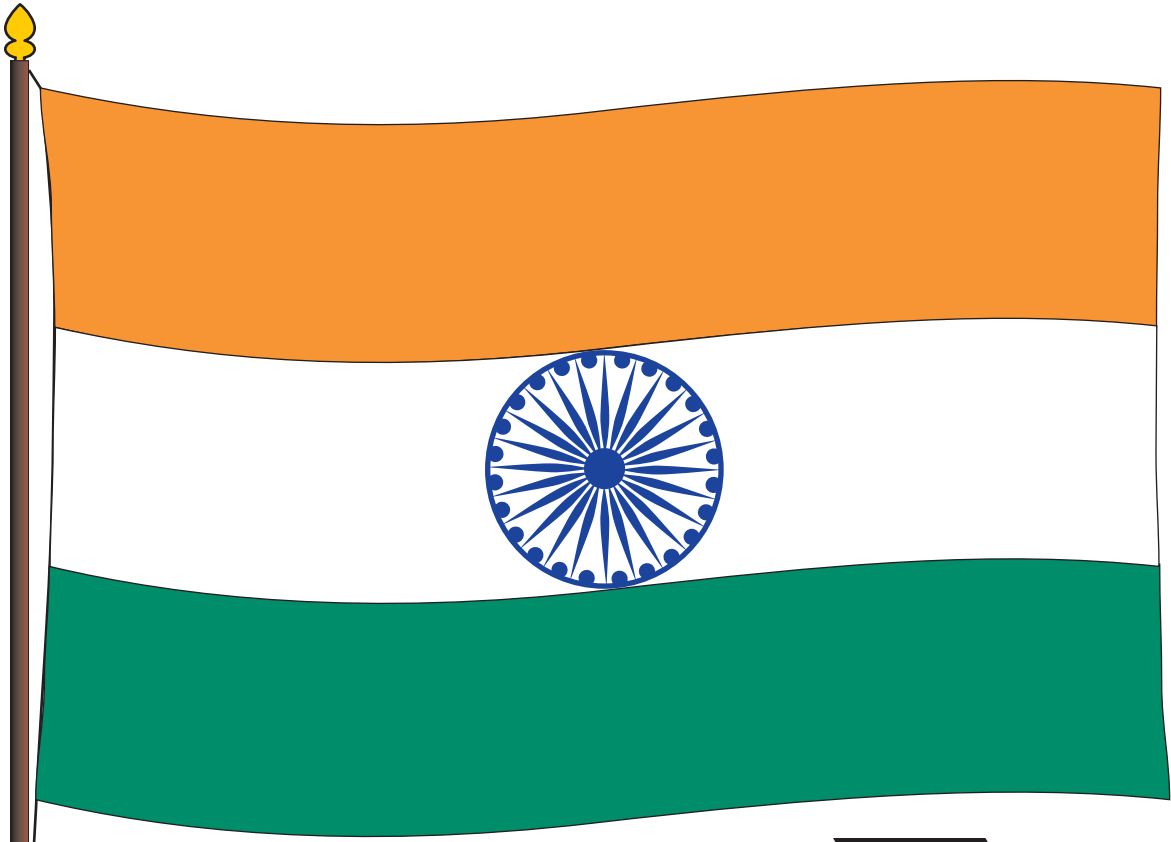
— ★ —

# राष्ट्रीय गीत

## वन्दे मातरम्

श्री बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय : आनन्दमठ

वन्दे मातरम्, वन्दे मातरम् ।  
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम् ।  
शस्य श्यामलाम् मातरम् । वन्दे मातरम् ॥  
शुभ्रज्योत्स्नाम् पुलकित यामिनीम् ।  
फुल्ल कुसुमित द्रुमदल शोभिनीम् ॥  
सुहासिनीम् सुमधुरभाषिणीम् ।  
सुखदाम् वरदाम् मातरम् । वन्दे मातरम् ॥



## राष्ट्रगान

जन-गण-मन-अधिनायक जय हे  
भारत-भाग्य-विधाता  
पंजाब-सिन्धु-गुजरात-मराठा  
द्राविड़-उत्कल-बंग  
विन्ध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा  
उच्छल-जलधि-तरंग  
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिष मागे,  
गाहे तव जय-गाथा ।  
जन-गण-मंगल-दायक जय हे  
भारत-भाग्य-विधाता  
जय हे, जय हे, जय हे,  
जय जय जय जय हे ।

(हर देश का अपना एक विशिष्ट झंडा और राष्ट्रगान होता है। “तिरंगा झंडा” भारतवर्ष का राष्ट्रध्वज है और “जनगणमन” राष्ट्रगान। राष्ट्रध्वज में ऊपर की पट्टी केसरिया रंग की और नीचे की हरे रंग की होती है। बीच की सफेद पट्टी के बीचों बीच २४ शलाकाओं का नीले रंग में गोल-चक्र होता है। केसरिया रंग त्याग का, सफेद शांति का और हरा रंग प्रकृति की सुन्दरता का प्रतीक है। चक्र का स्वरूप अशोक की सारनाथ-स्थित सिंहमुद्रा में अंकित चक्र की भाँति है यह चक्र सत्य और सब धर्मों का प्रतीक है।

राष्ट्रगान की रचना गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने की थी। इसमें संपूर्ण देश के लिए मंगल-कामना है। राष्ट्रगान और राष्ट्रध्वज का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। जब राष्ट्रगान गाया जाये या उसकी धुन बजाई जाये अथवा राष्ट्रध्वज फहराया जाये, तब हमें सावधान की स्थिति में खड़े होकर इसे सम्मान देना चाहिए।)